दैनिक भास्कर

आरजीएनयूएल में मूट कोर्ट प्रतियोगिता करवाई, लॉ स्कूल नोएडा विजेता बना

40 टीमों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, बालासाहेब आप्टे लॉ कॉलेज दादर की टीम उपविजेता बनी

भास्कर न्यूज | पटियाला

राजीव गांधी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ (आरजीएनयूएल) में 17-18 अप्रैल को 14वीं नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता-2026 का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को डिजिटल युग में भ्रष्टाचार विरोधी कानून, व्हाइट कॉलर अपराध, डिजिटल प्राइवेसी और संवैधानिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की जानकारी देना था।

कार्यक्रम का आयोजन आरजीएनयूएल मूट कोर्ट कमेटी (आरएमसीसी) द्वारा फैकल्टी कोऑर्डिनेटर डॉ. जसविंदर कौर के मार्गदर्शन में किया गया। मूट

आरजीएनयूएल में आयोजित मूट कोर्ट प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागी व गणमान्य व्यक्ति।

प्रपोजिशन सौरदीप मुखोपाध्याय द्वारा तैयार किया गया, जिसमें एंटी-करप्शन कानून, डिजिटल प्राइवेसी और सेल्फ-इन्क्रिमिनेशन जैसे विषय शामिल थे। देशभर की 40 टीमों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। प्रारंभिक राउंड ऑनलाइन आयोजित किए गए, जबकि क्वार्टर फाइनल से फाइनल राउंड आरजीएनयूएल कैंपस में संपन्न हुए। सेमीफाइनल में एडवोकेट बालासाहेब आप्टे लॉ कॉलेज, दादर, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस्ड लीगल स्टडीज, कोच्चि, सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, नोएडा और कैंपस लॉ सेंटर, दिल्ली यूनिवर्सिटी की टीमें पहुंचीं। फाइनल मुकाबला सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, नोएडा और एडवोकेट बालासाहेब आप्टे लॉ कॉलेज, दादर के बीच हुआ, जिसमें सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, नोएडा विजेता रहा, जबकि दादर की टीम उपविजेता रही। फाइनल राउंड की अध्यक्षता जस्टिस हरनाम सिंह ठाकुर, डॉ. दीपक कुमार श्रीवास्तव और प्रो. डॉ. शरणजीत कौर ने की। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस्ड लीगल स्टडीज, कोच्चि की एस. कृष्णतारा को बेस्ट स्पीकर तथा उसी टीम को बेस्ट मेमोरियल का पुरस्कार दिया गया। यह प्रतियोगिता छात्रों के लिए व्यावहारिक कानूनी ज्ञान प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुई।

दैनिक जागरण

सिम्बायोसिस ला स्कूल नोएडा ने जीता नेशनल मूट कोर्ट कंपीटिशन

राजीव गांधी नेशनल यूनिवर्सिटी आफ ला पंजाब ने किया आयोजन, विधि महाविद्यालयों की 40 टीमें हुईं शामिल

जागरण संवाददाता, पटियाला : राजीव गांधी नेशनल यूनिवर्सिटी आफ ला पंजाब की ओर से 14वीं नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें सिम्बायोसिस ला स्कूल नोएडा को विजेता घोषित किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को भ्रष्टाचार विरोधी कानूनों के विस्तार, व्हाइट कालर अपराध, डिजिटल गोपनीयता, डिजिटल आत्म-अपराध स्वीकार्यता और बायोमीट्रिक से संबंधित संवैधानिक सुरक्षा के कानूनी मुद्दों से अवगत कराना था।

प्रतियोगिता का आयोजन यूनिवर्सिटी मूट कोर्ट कमेटी ने फैकल्टी कोऑर्डिनेटर डा. जसविंदर कौर (सहायक प्रोफेसर, विधि) तथा सेंटर फार एडवांस्ड स्टडीज इन क्रिमिनल ला के मार्गदर्शन में किया। मूट प्रपोजिशन सौरदीप मुखोपाध्याय (असिस्टेंट प्रोफेसर, ओपी जिंदल ग्लोबल ला स्कूल) ने तैयार किया था। देशभर के विभिन्न विधि महाविद्यालयों की 40 टीमों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता विभिन्न चरणों में आयोजित की गई, जिसमें प्रारंभिक और आक्टा-फाइनल राउंड आनलाइन आयोजित किए गए। इनमें से आठ टीमें अगले चरण के लिए चयनित हुईं, जिनमें डा. डीवाई पाटिल ला कालेज, नवी मुंबई के अतिरिक्त एडवोकेट बाला साहेब आप्टे कालेज आफ ला, दादर गवर्नमेंट ला कालेज, मुंबई कैंपस ला सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय नेशनल यूनिवर्सिटी आफ एडवांस्ड लीगल स्टडीज, कोच्चि नेशनल ला स्कूल आफ इंडिया यूनिवर्सिटी, सिम्बायोसिस ला स्कूल नोएडा और निरमा यूनिवर्सिटी अहमदाबाद शामिल थे।

पटियाला की राजीव गांधी नेशनल यूनिवर्सिटी आफ ला में आयोजित मूट कोर्ट प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले विद्यार्थी प्रबंधकों व गणमान्यों के साथ • सौ. यूनि.

फाइनल में एडवोकेट बाला साहेब आप्टे कालेज आफ ला दादर और सिम्बायोसिस ला स्कूल नोएडा की टीमें पहुंचीं। फाइनल राउंड का मूल्यांकन न्यायाधीशों के पैनल द्वारा किया गया, जिसमें जस्टिस हरनाम सिंह ठाकुर (न्यायिक सदस्य, राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण), डा. दीपक कुमार श्रीवास्तव (एसोसिएट प्रोफेसर एवं कार्यवाहक रजिस्ट्रार, हिदायतुल्लाह नेशनल ला यूनिवर्सिटी, रायपुर) तथा प्रोफेसर डा. शरणजीत कौर (विधि प्राध्यापक, राजीव गांधी यूनिवर्सिटी) शामिल थे। एडवोकेट बाला साहेब आप्टे कालेज आफ ला दादर की टीम उपविजेता रही, जबकि सिम्बायोसिस ला स्कूल नोएडा को विजेता घोषित किया गया। बेस्ट स्पीकर का पुरस्कार एस. कृष्णतारा (कोच्चि) को प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, कोच्चि की टीम को बेस्ट मेमोरियल का पुरस्कार भी दिया गया।